

वेगिनी स्त्री. (तत्.) वेगवती नदी, वेगावली।

वेगी पुं. (तद्.) वह जिसमें बहुत अधिक वेग हो, वेगवान, तेज, चुस्त, द्रुतगामी, प्रचंड, फुर्तीला।

वेगीय वि. (तत्.) वेग-संबंधी, वेग का, वेग के परिणामस्वरूप होने वाला।

वेट पुं. (अं.) 1. भार, तौल, वजन 2. प्रतीक्षा, इंतजार।

वेण पुं. (तत्.) 1. गवैया, एक प्राचीन वर्ण संकर जाति 2. राजा पृथु के पिता का नाम।

वेणा स्त्री. (तत्.) शीर, खस, कृष्ण नदी में गिरने वाली एक नदी।

वेणी स्त्री (तत्.) 1. वेगि, स्त्रियों के बालों की गूँथी हुई चोटी, कबरी 2. जल का अनवच्छिन्न प्रवाह, पानी का बहाव, जलधारा 3. दो या अधिक नदियों का संगम।

वेणीर पुं. (तत्.) नीम का वृक्ष, रीठा।

वेणु पुं. (तत्.) 1. बाँस, बाँस की बनी वंशी, बंसी, बाँसुरी, नफीर, मुरली 2. नरकुल, सरपत।

वेणुक पुं. (तत्.) वेणुका 1. वह लकड़ी जिससे पशुओं को हाँकते हैं, पैना, चाबुक 2. वंशी, बाँसुरी, मुरली।

वेणुका स्त्री. (तत्.) 1. बाँसुरी, वंशी 2. एक वृक्ष जिसका फल बहुत जहरीला होता है 3. हाथी को चलाने के लिए प्राचीन काल में प्रयुक्त एक प्रकार का दंड जिसमें बाँस का दस्ता लगा होता है।

वेणुकीय वि. (तत्.) वेणु-संबंधी, वेणुका, बाँस के मूठ वाले अंकुश सा।

वेणुज पुं. (तत्.) 1. बाँस का बीज 2. बाँस के फूल में होने वाले दाने जिनका आटा अन्य आटे में मिलाकर खाया जाता है, बाँस का चावल, वेणु-यव।

वेणु-यव पुं. (तत्.) बाँस का बीज या चावल दे. 'वेणुज'।

वेणु-यष्टि स्त्री. (तत्.) बाँस की छड़ी, बाँस की लकड़ी।

वेणुवन पुं. (तत्.) बाँस का जंगल, बाँसों का समूह, अधिक बाँसों वाला वन।

वेणुवादक पुं. (तत्.) बाँसुरी बजाने वाला, वंशी वादक, बाँसुरी वादक, मुरलीवादक।

वेणुवादन स.क्रि. (तत्.) बाँसुरी बजाना, वंशी वादन।

वेणुशय्या स्त्री. (तत्.) बाँस की चारपाई, बाँस की खटिया।

वेतन पुं. (तत्.) वह धन जो किसी को हर माह या नियत अवधि के बाद हर बार कोई काम करने के बदले दिया जाए, पारिश्रमिक, पगार, तनख्वाह।

वेतन-फलक पुं. (तत्.) वह फलक या कागज जिस पर कार्यालय के कर्मचारियों के हस्ताक्षर सहित मासिक वेतन का पूरा विवरण हो।

वेतन-भोगी पुं. (तत्.) वह जो वेतन लेकर काम करता हो, वैतनिक।

वेतनमान पुं. (तत्.) पद के अनुरूप किसी के वेतन की प्रारंभिक तथा उच्चतम स्थिति को दर्शाने वाला पैमाना।

वेतल पुं. (तद्.) बेंत।

वेतस पुं. (तद्.) 1. नेत्र 2. बेंत 3. नरसल, नरकुल 4. जंभीरी, बिजौरा 5. नींबू 6. अग्नि।

वेतसी स्त्री. (तत्.) बेत, बेंत, बेत की बनी चीज, नरसल।

वेताल पुं. (तत्.) 1. द्वार पाल, संतरी, दरवान, पहरेदार, चौकीदार 2. शिव के गणों में से एक प्रधान गण 3. एक प्रकार की भूतयोनि जो श्मशान में रहती है, प्रेत, पिशाच काव्य. एक प्रकार का छंद।

वेत्ता पुं. (तत्.) 1. जानने वाला, ज्ञाता, जानकार जैसे- विज्ञानवेत्ता, शास्त्रवेत्ता, ऋषि, मुनि 2. पति, पाणिग्रहीत।